तापमान
अधिकतम 32 .3 डिग्री
न्यूनतम 15 .2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, मार्च 17, 2025

11 भगवान के नाम पर मजहब मत बनाओ

12 गन्ना किसानो को 40 प्रतिशत ओवरवेट की छूट दी

खबर संक्षेप

चोरी करने के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने मंदिर से लोहे के सरिया चोरी करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अभिषेक निवासी विकास नगर सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। चिंतपूर्णी भवन निवासी सुभाष ने गत 15 मार्च को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि मंदिर में निर्माण कार्य चल रहा है। गत 15 को रात करीब ढाई बजे एक युवक मंदिर की दीवार लांघ कर मंदिर में घुस गया। उसने परिसर से लोहे के सरिए सरकारी मकान की तरफ फेंकते हुए देखा गया। लोगों ने उसे काबू कर लिया। उसके पास चोरी किए सरिए को बरामद कर लिया। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही सुशील की टीम ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कहासुनी की रंजिश में युवक को पीटा

गोहाना। गांव बीधल में एक युवक को कहासुनी की रंजिश में पीट दिया गया। उसे नागरिक अस्पताल से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। हरबीर ने पुलिस को बताया कि वह गाड़ियों में डेकोरेशन का काम करता है। वह बाइक पर चाचा अनिल को उनके घर छोड़ कर वापस आ रहा था। रास्ते में तरूण, दीपक, जोनी, नितिन व मोनू मिले और उसका रास्ता रोक लिया। उसे कहा कि जब दीपक के साथ कहासुनी व झगड़ा हुआ था तू बच गया था। इतना कहकर उससे मारपीट शुरू कर दी। उसने शोर मचाया तो आरोपित जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

गांव भिगान में घर से चार मवेशी चोरी

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र के गांव भिगान में बैंक कर्मचारी के घर से चार मवेशियों के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव भिगान निवासी लक्ष्य शर्मा ने बताया कि उसके घर के पास ही पशुबाड़ा है। जहां वह अपने पशु बांधते है। गत शनिवार की रात को उन्होंने बाड़े में पशु बांधे थे। सुबह उठकर चारा-पानी डालने के लिए गए तो वहां पर दो भैंस, एक कटड़ा और कटड़ी नहीं मिले। अपने स्तर पर पशुओं की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। रात को मवेशियों को कोई चोरी कर ले गया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एसआई सुशील ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जाएगी।

पेड़ काटकर चोरी करने पर मामला दर्ज

गोहाना। गांव छपरा से खेत से पेड़ काटकर चोरी कर लिए गए। इस संबंध में बरोदा थाना में अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। शहर के सेक्टर सात में रहने वाले महिपाल ने पुलिस को बताया कि उसका पैतृक गांव छपरा है। वहां पर उसने अपनी कृषि भूमि के सात एकड़ में पेड़ लगवा रखे हैं। शनिवार रात को उसके खेत से लगभग पेड़ काटकर चोरी कर लिए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किए निर्देश, तैयारियों में जुटा विभाग

शिक्षा की डगर पर लौटे बच्चों का डाटा ऑनलाइन होगा, 30 को परीक्षा, अभी तक 63 प्रतिशत काम

- स्कूल छोड़ चुके 15 साल या उससे अधिक आयु के बच्चों का सर्वे कराया गया था
- सर्वे करने वाले उल्लास पोर्टल पर अपडेट करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में स्कूल छोड़ चुके ऐसे बच्चें जो शिक्षा विभाग के प्रयासों से वापस स्कूल पहुंचे हैं, ऐसे बच्चों का डाटा ऑनलाइन किया जाना है। इन बच्चों को लर्नर्स (शिक्षार्थियों) की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे बच्चों का डाटा जल्द से जल्द अपलोड करना होगा। ऐसे बच्चों को शिक्षा की डगर पर अग्रसर करने के लिए शिक्षा विभाग बेहतर तरीके से कार्य कर रहा है। इस कड़ी में 15 साल या उससे अधिक आयु वर्ग के निरक्षर बच्चों का सर्वे कराया गया था, जिसका डाटा पोर्टल पर अपलोड करना था। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने सभी सर्वेयरों को निर्धारित लक्ष्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि जिले में अभी तक 63 फीसदी डाटा ही उल्लास पोर्टल पर अपलोड किया गया है। उल्लास पोर्टल व मोबाइल एप भारत सरकार की एक केंद्र प्रायोजित योजना है। जिसका उद्देश्य देश से निरक्षरता को खत्म करना है। इसके तहत देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 15 साल और उससे ज़्यादा उम्र के निरक्षरों को साक्षर करने के लिए उनकी पहचान कर शिक्षा की डगर पर लाना है। इस योजना को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के नाम से भी जाना जाता है। योजना के तहत निरक्षर बच्चों का पता लगाने के लिए सर्वे कराया जा रहा है। जो बच्चे मिलते हैं, उनका डाटा उल्लास पोर्टल पर अपलोड करना होता है, जिससे बच्चों को शिक्षा से जोड़कर निरक्षरता को खत्म किया जा सके।

एक साल में दो बार होती है लर्नर्स की परीक्षा

उल्लास योजना के तहत प्रत्येक वर्ष में दो बार सितंबर व मार्च के अंतिम सप्ताह में लर्नर्स की असेसमेंट परीक्षा आयोजित की जाती है। सितंबर के बाद किए गए सर्वे व अपलोड किए गए डेटा में लर्नर्स की संख्या अपेक्षाकृत कम पाई गई है। ऐसे में सर्वेयरों को अतिरिक्त लर्नर्स को चिह्नित कर उनका डेटा उल्लास पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वे के दौरान मिले लर्नर्स की 30 मार्च को परीक्षा होनी है, जिससे उनके शिक्षा स्तर का मूल्यांकन कर आगामी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

शिक्षित करेंगे

उल्लास पोर्टल पर सभी लर्नर्स का डाटा जल्द अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे 15 साल या इससे अधिक आयुवर्ग के बच्चों को शिक्षा की डगर पर लाने के लिए बेहतर सुविधाएं दी जा सकें।
-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

इसीलिए जरूरी है पोर्टल

- पोर्टल के माध्यम से शिक्षार्थी स्थानीय भाषाओं में ऑनलाइन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।
- पोर्टल या एप पर शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षक खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।
- पोर्टल या एप के माध्यम से शिक्षण केंद्रों की निगरानी की जा सकती है।
- स्वयंसेवी शिक्षकों के साथ शिक्षार्थियों को टैग किया जा सकता है।
- शिक्षार्थी सीखने की विस्तृत सामग्री तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

खेड़ी मनाजात में वारदात, घर में घुसकर युवक पर हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी मनाजात में युवकों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली-गलौज करने के बाद घर में घुसकर युवक पर हमला करने के आरोप का मामला सामने आया है। झगड़े की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसी व युवक के पिता पर हमलावरों ने हमला कर दिया। घायल को अस्पताल में लाया गया, जहां एक को खानपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गांव खेड़ी मनाजात निवासी दीपक ने बताया कि गत शुक्रवार को वह गांव के ही रहने वाले रवि के साथ सफियाबाद रोड पर अंडरपास के पास खड़े थे। इसी बीच फुफेरा भाई सुशील और गांव का रहने वाला अपीन भी उनके पास आ गए। इसी दौरान गांव का रहने वाला अमित शराब के नशे में वहां आया। उसने अपीन के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली-गलौज दी और थप्पड़ मार दिया। दीपक का कहना है कि उसने बीच-बचाव करवा दिया। जिस पर अमित ने उसे धमकी दी। रात करीब पौने नौ बजे वह अपीन, विकास और मनीष के साथ घर पर बैठा था तो अमित, उसका भाई सन्नी, पारस, अमन और लोकेश उनके घर में घुस आए। अमित के हाथ में लकड़ी काटने का दा, सन्नी के हाथ में सरिया, पारस लोकेश और अमन के हाथ में लाठी थी। पांचों ने जातिसूचक गाली दी उन पर वार करने लगे। अमित ने दा से वार किया तो अंगूठे पर चोट लगी। सन्नी ने उन पर सरिए से वार कर दिया। जब विकास, मनीष, अपीन और उसके पिता वजीर को बचाने आए तो आरोपितों ने उन पर वार किए।

जल्द पकड़ेंगे

झगड़े में घायल होकर अस्पताल में पहुंचने की सूचना मिली थी। आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जल्द उन्हें काबू किया जाएगा। -एएसआई सतपाल सिंह, जांच अधिकारी, कुंडली।

गन्नौर में दुकानों के सामने जमा दूषित पानी बना मुसीबत, समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

बेगा रोड पर नालों की सफाई न होने के कारण नाले ओवरफ्लो हो गए हैं, जिससे सड़क पर दूषित पानी भर गया है। इस समस्या के कारण वाहन चालक और दुकानदार प्रभावित हो रहे हैं। दुकानों के सामने भरे दूषित पानी से व्यापार पर असर पड़ रहा है। हर समय दूषित जमा पानी से बदबू आती रहती है और बीमारी होने का खतरा बना रहता है। दुकानदार राकेश, सुरेंद्र छिक्कारा, मुन्ना, आर्यन, सजंय, आशु व सचिन ने बताया कि बेगा रोड़ पर कई महीनों से नालों की सफाई नहीं हुई है। जिससे ओवरफ्लो हुए नालों का दूषित पानी सड़कों पर जमा हो गया है। पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप कुमार ने बताया कि वह इस बारे में नगरपालिका सफाई निरीक्षक पोषण मलिक को भी अवगत करवा चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। सफाई निरीक्षक उन्हें यह कह कर भेज देते है कि उनके पास पर्याप्त सफाई कर्मचारी नही है।

गन्नौर। नगरपालिका के खिलाफ रोष जताते हुए स्थानीय दुकानदार।

कार ने महिला को चपेट में लिया बिजली के खंभे से जा टकराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कार ने महिला को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद कार चालक ने भागने का प्रयास किया। जहां वह बिजली के पोल से जा टकराया। कार की टक्कर लगने से पोल टूटकर कार पर गिर गया। कार में सवार चालक बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने चालक को कार से बाहर निकाला। कार चालक ने अपनी पहचान पटेल नगर के रहने वाले जतिन के रूप में दी। पुलिस ने महिला के पति की शिकायत पर आरोपित कार चालक के खिलाफ मुकउमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। शिव मंदिर पटेल नगर निवासी रविंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार की रात वह अपनी सास राजबाला के साथ मकान के गेट पर बैठे हुए थे। उसकी पत्नी ललिता गली में मंदिर की तरफ दुकान पर सब्जी लेने जा रही थी। उसी समय पीछे से एक युवक अपनी कार को बड़ी तेज गति और लापरवाही से चलाता हुआ आया। कार ने उसकी पत्नी ललिता को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ललिता गली में गिर गई। हादसे के बाद चालक ने कार को तेज चलाकर भागने की कोशिश की, लेकिन कार की गली में लगे बिजली के खंभे में सीधी टक्कर मार दी। खंभे में टक्कर लगने के बाद खंभा कार के ऊपर ही गिर गया। जिसके चलते कार रुक गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। कार सवार को लोगों ने बाहर निकाला। उसने अपनी पहचान पटेल नगर की गली नंबर-3 के रहने वाले जतिन के रूप में दी। इसके बाद वह अपनी पत्नी को शहर के निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां उनका इलाज चल रहा है। मामले के लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

सोनीपत। कार के ऊपर गिरा खंभा।

पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सतबीर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पानीपत से हथियार लाया था भाजपा नेता का हत्यारोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भाजपा के मुंडलाना मंडल के अध्यक्ष एवं गांव जवाहरा के सुरेंद्र नंबरदार की हत्या में आरोपित मनु को पुलिस ने रविवार को न्यायालय में पेश किया। उसे न्यायालय के आदेश पर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित पानीपत में रहने वाले रिश्तेदार से अवैध हथियार लेकर आया था, जिससे उसने वारदात को अंजाम दिया। शुक्रवार रात को सुरेंद्र नंबरदार अपनी पत्नी कोमल के साथ पशुबाड़े से घर की तरफ आ रहे थे। उनके साथ पड़ोसी सुल्तान भी थे। रास्ते में मनु ने सुरेंद्र नंबरदार को घेर लिया और उनके सिर व पेट में गोली मारकर हत्या कर दी थी। भाजपा नेता ने लगभग तीन साल पहले गांव के मनु के ताऊ के लड़के और बुआ की जमीन खरीदी थी। मनु और उसके स्वजन इससे नाराज थे। नंबरदार से मनु बार-बार जमीन वापस करने की मांग रहा था। जब जमीन वापस नहीं दी तो इसी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया। एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि आरोपित मनु को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसने पानीपत से हथियार लाने की बात कबूली।

गांव बड़ौली में महिला को पीटा, धारदार हथियार से हमला, बेटियों से भी मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- गांव के ही पड़ौस में रहने वाने युवकों पर आरोप
- महिला के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज किया

बहालगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बड़ौली में घर में घुसकर महिला पर हमला कर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। महिला की बेटियों के साथ भी आरोपितों ने मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। पीड़िता ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी।

पुलिस ने आरोपित तीन आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव बड़ौली निवासी गीता ने बताया कि वह शुक्रवार को अपने घर थी। रात करीब साढ़े आठ बजे पड़ोसी राहुल, दीपक, दीपांशु और नानू उनके घर में घुस आए। आरोपितों ने आते ही उसके पैर पर लोहे की राड मारी। इसी दौरान एक आरोपित ने कमर पर तेजधार हथियार से वार कर दिया। उसकी बेटी निशा और कोमल बचाने आई तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपित उनको जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। उपचार के लिए उसे परिजन अस्पताल में पहुंचे। जहां उपचार के बाद उसे छुट्टी मिल गई। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी जयभगवान ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द हमलावरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

केमिस्ट एसो. के प्रदेश संगठन सचिव बने प्रदीप चहल

गोहाना। हरियाणा केमिस्ट एंड ड्रग एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक कुरुक्षेत्र में हुई। गोहाना के केमिस्ट प्रदीप चहल को सर्वसम्मति से एसोसिएशन में प्रदेश के संगठन सचिव चुने गए। प्रदीप पहल केमिस्ट एवं ड्रग एसोसिएशन गोहाना के अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले भी वे संगठन में विभिन्न पदों का दायित्व निभा चुके हैं। उनके प्रयास से गोहाना में केमिस्ट चौक भी बनाया गया था।

सोनीपत से 40, गोहाना से 45 आवेदन, आज नाम फाइनल होगा

सोनीपत के बजाय गोहाना के नेताओं में भाजपा जिलाध्यक्ष बनने की इच्छा ज्यादा, 85 नाम आए

- देर शाम तक छंटनी का काम चला, सभी आवेदन सही पाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भारतीय जनता पार्टी ने जिलाध्यक्षों के लिये चुनाव प्रक्रिया रविवार को शुरू कर दी, जिसका परिणाम सोमवार को आएगा। रविवार को जिलाध्यक्ष पद के लिये इच्छुक कार्यकर्ताओं से आवेदन मांगें गए। जिसके तहत रविवार को कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 7 स्थित भाजपा कार्यालय में अपने आवेदन जमा करवाए।

दोपहर बाद दो बजे तक आवेदन जमा करवाने का समय रखा गया था। इस समय तक कुल 85 आवेदन प्राप्त किए गए। जिसमें से 40 आवेदन सोनीपत के लिये तो 45 आवेदन गोहाना के लिये प्राप्त किए गए। देर शाम तक आवेदनों की छंटनी का कार्य किया गया। हालांकि छंटनी में सभी आवेदन सही पाए गए। बताया गया है कि अब सोमवार को शीर्ष नेतृत्व के साथ सलाह करने के उपरांत जिलाध्यक्ष का नाम फाइल कर दिया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया का नेतृत्व चुनाव अधिकारी अशोक गुज्जर (पूर्व जिलाध्यक्ष कैथल) व जिला प्रभारी सतीश नांदल ने किया।

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता।

गोहाना अलग जिला होगा, शुरू चर्चा हुई

वैसे तो गोहाना सोनीपत जिले का ही हिस्सा है, लेकिन भाजपा ने संगठन स्तर पर बदलाव करते हुए अब गोहाना को अलग से जिला बना दिया है। मतलब ये है कि इस बार गोहाना का जिलाध्यक्ष अलग होगा और सोनीपत का अलग होगा। भाजपा द्वारा संगठन स्तर पर गोहाना को अलग से जिला बनाए जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी गोहाना को अलग से जिला बनाए जाने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जानकारों का मानना है कि भविष्य को देखते हुए भाजपा ने तैयारी की है, जिसके तहत गोहाना को अलग जिलाध्यक्ष दिया जा रहा है।

नहर पर टूटी सड़क के पास ग्रिल लगाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में सड़क सुरक्षा की गंभीर स्थिति को लेकर जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने नहर पर बनी सड़क के बीच में हुए बड़े गड्ढे को लेकर प्रदर्शन किया था। उनकी इस कार्रवाई के बाद प्रशासन हरकत में आया और नहर के पुल पर लोहे की ग्रिल लगाने का कार्य शुरू किया गया। जिला पार्षद बड़वासनिया ने बताया कि नहर के पुलों पर ग्रिल नहीं होने की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं। कई लोग नहर में गिर चुके हैं, जिससे कई मौतें भी हो चुकी हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी पुलों और सड़कों पर सुरक्षा के लिए लोहे की ग्रिल अनिवार्य रूप से लगाई जाए। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि अगर समय रहते सड़क और पुलों पर सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए, तो बड़े हादसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वह नहर के सभी पुलों और सड़कों पर सुरक्षा उपाय करें ताकि आम जनता सुरक्षित रह सके। इस प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया।

अब अनिल रोहिल्ला होंगे नोडल अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के बीच में विभाग ने अब जिला नोडल अधिकारी वीरेंद्र ढुल को बदल दिया है, उनके स्थान पर अब अनिल रोहिल्ला को नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी बदले जाने के पीछे अधिकारी विभागीय कारण बता रहे हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षाओं की परीक्षाओं में नकल व बाहरी हस्तक्षेप के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। बोर्ड की उड़नदस्ता टीम ने बोर्ड परीक्षा के दौरान चार विद्यार्थियों को नकल करते पकड़े जाने पर यूएमसी बनाए हैं। बोर्ड परीक्षा ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर चार पर्यवेक्षकों को कार्यभार मुक्त किया गया है। वहीं छह अध्यापकों पर भी कार्रवाई की गई है। नकल करवाने के मामले में 18 को गिरफ्तार किया गया है। बोर्ड अधीक्षक कृष्ण रोहिल्ला ने बताया कि जिला नोडल अधिकारी बदले गए हैं।

बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ हैं? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है/ उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता।

- श्रीनिवास रामानुजन

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी।

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

अहंकार

दिव्या ने ससुराल का घर छोड़ा और किराए पर टू-रूम सैट लेकर रहने लगी। दोनों बच्चे और पति मजबूर हुए और उसके साथ रहने को चले आए। पति का नाम शैलेंद्र था। उसने सोचा-'दिव्या की जिद अलग रहने की है तो यही ठीक, घर का क्लेश तो मिटेगा?' उसे पत्नी के साथ रहना पड़ा। दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ने लगे। फीस का जिम्मा शैलेंद्र पर था।

दिन बीतने लगे लेकिन दिव्या का अहंकार खत्म नहीं हुआ। शैलेंद्र अपने माता-पिता से मिलने चला जाए तो क्लेश, बच्चों को दादा-दादी के पास ले जाए तो कलह। उसने दिव्या को बहुत समझाया लेकिन वह नहीं बदली।

शैलेंद्र दो बहनों का इकलौता भाई था। दोनों बहनें शादीशुदा थीं और अपनी ससुराल में उन्हें कोई कष्ट भी नहीं था। लेकिन बूढ़े और परेशान माँ-बाप की फिक्र में घुली जा रही थी। भाई-भाभी को समझाने के अनेक प्रयास हुए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक रोज, शैलेंद्र माता-पिता से मिलने गया तो रात पत्नी के पास वापस नहीं पहुँचा। अगले दिन, सुकून की तलाश में वह कहीं और चला गया। पत्नी की तरफ से उसका मन खिन्न हो चुका था। पति घर नहीं लौटा तो दिव्या को चिंता हुई। पन्द्रह-बीस दिन बीत गए शैलेंद्र नहीं आया।

बच्चों के स्कूल से क्लास टीचर ने फीस का पुर्जा बनाकर बड़े लड़के की कॉपी में रख दिया। दिव्या ने पुर्जा देखा तो पैसों की चिंता हुई। पति को फोन मिलाया, फोन स्विच ऑफ था। ऐसे कई दिनों तक वह फोन मिलाती रही लेकिन पति से कोई बात नहीं हुई। शैलेंद्र ने फोन उठाया ही नहीं। थक-हारकर दिव्या ने सास को फोन मिला दिया। सास ने 'हैलो' कहा तो दिव्या के चुभन से भरे तीखे बोल सुनाई पड़े- 'कहां है वह, पन्द्रह-बीस दिन से कुछ अता-पता नहीं है। बच्चों की फीस और मकान का रैंट देना है, क्या करूँ?'

सास बोली- 'घर आकर पैसे ले जा, उसका तो हमें भी पता नहीं। तुम लोग जब से घर छोड़कर गए हो, हमें किसी की कुछ खबर नहीं है। नहीं जानते कि तुम कैसे हो और कहाँ रह रहे हो? यही तो कलह है कि तुम आपसी तकरार खत्म करना क्यों नहीं चाहते? तुम उसकी गलती निकालती हो और वह तुम्हारी! सामान बाँधों और बच्चों को लेकर घर लौट आओ। उसका जब मन चाहेगा तो लौटकर आ जाएगा।'

'नहीं, एक बार जिस घर को छोड़कर चली आई, अब वहाँ मुझे नहीं आना।' दिव्या का अहम जाग उठा था। सास समझाने लगी- 'पति से बनाकर रखने में ही भलाई है। तुम्हें सास-ससुर में कमी दिखती है तो पति के अनुसार ही ढल जाओ! उसकी हो-कर ही रहने लगो? घर से दूसरे नगर इसीलिए गए थे कि चैन से रहोगे। अब पति से भी नहीं बन रही तो हमारा इसमें कहाँ दोष है।'

'दोष तो तुम सबों में है। मेरे कहे अनुसार चलोगे तो ठीक, नहीं तो तुम्हें भी चैन से रहने नहीं दूँगी। मैं नहीं चाहती कि तुम्हारे बेटे के साथ रहूँ लेकिन मेरी मजबूरी है। बच्चों को लेकर जाऊँ कहाँ, और बच्चों को मुझसे छीनने की सोचना भी मत। चाहे कैसे भी, मुझमें हिम्मत है। उन्हें किसी तरह पाल ही लूँगी। जिन के पिता मर जाते हैं, बच्चे तो उनके भी पलते हैं।'

'बड़ों से बात करने का सलीका समझ लो, ओछी सोच घर बिगाड़ देती है। मानती हूँ, मेरा जाया भी बददिमाग है। उसे भी आगे के बारे में कुछ नहीं सूझ रहा लेकिन कम तुम भी नहीं हो ! तुम पर जब क्रोध हावी होता है, तुम चुडैल दिखाई देती हो। और गालियाँ बकती हो तो असहनीय हो जाता है। अभी वक्त है, सुधर जाओ। अपना घर खराब मत करो। अहंकार का त्याग कर डालो और गृहस्थ बनकर जीना सीख लो?'

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी। ऐसा पति जो मेरी ना सुने, मुझे नहीं चाहिए।'

शैलेंद्र सरकारी स्कूल में टीचर थे। कुछ दिन बीते कि एक रोज दिव्या शैलेंद्र के स्कूल पहुँच गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही।

इत्तफाक कि उस दिन शैलेंद्र स्कूल नहीं आया था। उसकी जुबान खुल गई। प्रिंसिपल, स्टाफ के टीचर्स और एक-आध बाहरी लोगों के सामने वह खूब दहाड़ी। झूठे-सच्चे आरोप लगाकर उसने पति की इज्जत को तार-तार कर दिया। लोग हैरान थे, उन्होंने तो सोचा भी नहीं था कि शैलेंद्र की पत्नी इतनी झगड़ालू और बदतमीज है। हालात में बजाए सुधार होने के और खराबी आ गई।

प्रिंसिपल से दिव्या ने कहा- 'शैलेंद्र की तनख्वाह मेरे बच्चों के स्कूली बैंक खातों में ट्राँसफर कर दिया करें।'

प्रिंसिपल बोले- 'यह मेरे बस में नहीं, तनख्वाह तो शैलेंद्र के बैंक खाते में ही जाएगी।' दिव्या दहाड़ी- 'लफंगा है वह। पूरे महीने की तनख्वाह को आवारागर्दी में खर्च कर डालता है।' शैलेंद्र की पत्नी के मुख से यह सब कहने का किसी को यकीन नहीं हुआ। फिर बोलने के लहजे पर आश्चर्यचकित भी सभी थे। प्रिंसिपल ने दो टूक कह दिया- 'आप कुछ भी कहें, शैलेंद्र की तनख्वाह तुम्हें नहीं दी जा सकती। तुम्हारा आपसी मनमुटाव क्या है, हमें उससे कोई मतलब नहीं।'

'कोर्ट अगर कहे, तब भी नहीं?' दिव्या बोली। 'कोर्ट का निर्देश तो मान्य होगा। वहाँ से अगर आदेश हुआ, तो देखेंगे। आगे क्या होना है, क्या नहीं, यह तो समय ही तय करेगा?' प्रिंसिपल ने स्पष्ट कर दिया। उसका अहंकार बाहर आया- 'मेरे पिता पुलिस में अफसर हैं। झूठे-सच्चे दोष मढ़कर मैं उसके पूरे परिवार को कुटवा दूँगी। तब तो, तनख्वाह मेरे बच्चों के खाते में आएगी न?'

'नहीं, पुलिस के कहने से नहीं। कोर्ट अगर आदेश करे तो मुमकिन है। पुलिस के लिखे को हम नहीं मानेंगे। आपको इसके बारे में ज्ञान नहीं है। यह सरकारी महकमा है, यहाँ सब काम नियम के हिसाब से होते हैं।' प्रिंसिपल बोले।

'मैं पहले पुलिस में रिपोर्ट करती हूँ, फिर देखा जाएगा कि आप क्या मानेंगे और क्या नहीं। अब मुझे उसके साथ नहीं रहना है। हाँ, बच्चे पैदा किए हैं, मुझसे शादी की है, तो उसे खर्चा तो देना ही पड़ेगा?'

एक बुजुर्ग टीचर कहने लगे- 'शैलेंद्र से नहीं बनती तो अलग हो जाओ, तलाक ले लो। बच्चों को खुद पाल सकते हो तो ठीक, नहीं तो कस्टडी पिता पर छोड़ो।'

'ज्ञान मत बाँटो, मुझे जो करना है, वही मैं करूँगी। और शैलेंद्र आए तो उसे कह भी देना- 'आखिरी छोर तक पीछा नहीं छोड़ने वाली। तेरे माँ-बाप, तेरी बहनें और रिश्तेदारों तक को फँसाकर रहूँगी।' और दहाड़ती हुई वह चली गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही। झगड़े हुए, फसाद बढ़े, कोर्ट-कचहरी भी हुआ लेकिन फैसला सहज नहीं हो सका, पूरे दस साल बीत गए।

एक दिन, गर्मी की दोपहर थी। मोटर-साइकिल पर शैलेंद्र स्कूल से घर लौट रहा था। मंथन में विगत प्रभावी था। अकस्मात हृदय की गति बढ़ी और मोटर-साइकिल समेत वह खाई में जा गिरा। सांसों की ड़ोर छूट गई। अंत समय, ना माँ-बाप पास में थे, ना बहनें, ना पत्नी, ना हीं बच्चे और ना कोई नाते-रिश्तेदार! जिस गाँव में रहते थे। वहीं पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दिव्या को पता चला तो एक बारगी वह काँप गई। लेकिन अहम पुनः आड़े आन खड़ा हुआ। फिर जाने अचानक क्या हुआ कि वह हँसती चली गई। उसे खुद का होश नहीं रहा। दिन बीते तो दिव्या भूल गई कि कहाँ उसका घर है, कहाँ बसेरा है। कुछ समय तक तो बच्चे उसे ढूँढकर घर लाते रहे लेकिन बाद के दिनों में, उन्होंने भी उसे उसी के हाल पर छोड़ दिया।

दिव्या जब अट्हास करती है, दिशाएँ गूँजने लगती हैं लेकिन अब, कोई सुनने वाला पास में नहीं है। ना उसके पिता को कुछ फर्क पड़ा और ना ही माँ को। कभी वह रो देती है और कभी सिसकती है।

उस सिसकन में, उसका विगत उसे मुँह चिढ़ाता है। राह चलते लोग उसकी तरफ से मुँह फेर लेते हैं।

कविता | नरेश शांडिल्य

चांद पर तितली

कैसी प्यारी लग रही है चाँद पर तितली
इक परी-सी लग रही है चाँद पर तितली

आसमानी-सी वाजल में चाँद ऊला-सा
उसका सानी लग रही है चाँद पर तितली

चाँद के सँग चाँदनी के शुभ-शगुन जैसी
'फेंग्शुई'-सी लग रही है चाँद पर तितली

तीरगी का गहरा सागर, चाँद कश्ती-सा
उसका माँझी लग रही है चाँद पर तितली

देखकर अनगिन सितारे अपने चारों ओर
खोई-खोई लग रही है चाँद पर तितली

कविता | वीरेंद्र मधुर

ये भारत की शान है प्यारे

ये भारत की शान है प्यारे इसके रंग सुहाने,
सत्य सनातन की गाथा को विश्व लगा दोहराने।

ये भगीरथ के जप तप का पावन गंगा तट है,
ये अमृत की बूंदों वाली महादेव की लट है।
भक्ति में शक्ति पाने को गंगा चलो नहाने।

वर्षों की घनघोर प्रतिक्षा संतों ने की चिंता,
धर्म बचाने की कोशिश में पाई भिक्षा दीक्षा।
भारत की स्वर्णिम राहों पर गाओ नए तराने।

दिव्य देव दर्शन में उमड़े सत्य सनातन लोग,
मधुर मौसमी चली हवाएं बना ग्रह संयोग।
राम कृष्ण की धरती पर नए बसंत को जाने।।

कविता | प्रो . प्रविंद्र बांगड़

कोई अनबन नहीं है

कोई अनबन नहीं है हम में, बस अब मन नहीं है।

न कोई शिकवा, न कोई गिला, बस मन का हाल बदला मिला।
न दूरियाँ बढ़ीं, न नजदीकियाँ हुई कम, बस एहसास हो गए हैं कुछ मद्धम।

एक दिल था जो हँसता बहुत था, वो भी अब कहीं खो गया।
जो प्यार था कभी हमारा, वो भी अब हमसे कहीं खो गया।

तुमसे कोई शिकायत नहीं, न ही कोई अधूरी चाहत रही।
मैं खुद को ही समझ रहा हूँ, ख़ामोशी से कुछ ढूंढ रहा हूँ।

रिश्तों को अब जबरन थामना नहीं,जो बह जाए, उसे रोकना नहीं।
भावनाएँ वैसी ही हैं बदलती नहीं, पर राहें भी तो पहले जैसी नहीं।

अब न कोई उलझन, न कोई भार, अब बस मन उलझा और लाचार।
जो बीत गया, वो सपना सही, अब खुद को पाने की यात्रा सही।

बस अब खुद को पहचानना है , अब खुद से सब सुलझाना है।

लघु कथा | कुसुम

एक अनमोल रिश्ता

छोटे से गाँव की एक लड़की थी, जिसे शिक्षक शब्द से बेहद लगाव था। उसे पढ़ाई का शौक था, मगर संसाधनों की कमी और हालातों के चलते मुश्किल से बी.ए. में दाखिला मिल पाया। पहले साल तो वह कॉलेज जाती रही, मगर फिर कोरोना महामारी ने सब कुछ ठहर सा दिया। महीनों तक ऑनलाइन क्लास चलीं, लेकिन जब हालात सामान्य हुए, तो कॉलेज फिर से खुल गए। कॉलेज का पहला ही दिन था जब उसे पता चला कि इंग्लिश की एक नई मैम ने जॉइन किया है। पहले पीरियड में वही क्लास लेने आईं। गाँव से आई लड़की की अंग्रेज़ी थोड़ी कमजोर थी, मगर समझने की कोशिश करती थी। पहली ही क्लास में जब मैम ने धाराप्रवाह अंग्रेज़ी में पढ़ाना शुरू किया, तो उसे लगा कि यह विषय उसके लिए कठिन होने वाला है। घबराहट में वह हेड टीचर के पास भी चली गई कि उसके लिए किसी और शिक्षक को लगा दिया जाए। मगर एक ही दिन में ऐसा संभव नहीं था, और क्लास जारी रही। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लड़की को इंग्लिश मैम की क्लास में मज़ा आने लगा। उनके पढ़ाने का तरीका अलग था-सरल, रोचक और प्रेरणादायक। धीरे-धीरे लड़की को अहसास हुआ कि यह विषय मुश्किल नहीं, बल्कि बेहद सुंदर और समझने योग्य है। मैम सिर्फ़ एक शिक्षिका नहीं रहीं, बल्कि उसकी सबसे पसंदीदा टीचर बन गईं। अब वह बेसब्री से उनके पीरियड का इंतजार करने लगी।

ऐसा लगता मानो समय ठहर जाए और वह बस सुनती ही रहे। समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता रहा, और देखते ही देखते बी.ए. का आखिरी सेमेस्टर भी आ गया। पूरे कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की तैयारियाँ चल रही थीं। मगर इस खुशी के माहौल में लड़की के दिल में अजीब सी उदासी थी। आख़िरी दिन जब मैम क्लास में आईं, तो पूरी कक्षा भावुक हो गई। किसी की आँखों में खुशी थी, तो किसी की आँखों में आँसू। मैम ने सबको ढेरों शुभकामनाएँ दीं। वह दिन बीत गया, मगर रिश्ते नहीं। लड़की और उसकी पसंदीदा टीचर के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता गया। अब हर सुबह एक मैसेज दोनों तरफ़ से आता-'गुड मॉर्निंग, मैम!' गुड मॉर्निंग बच्चें' यह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक थे, जो एक शिक्षक और शिष्य के बीच होता है। क्योंकि कुछ रिश्ते किताबों के पन्नों की तरह होते हैं, जो भले ही बंद हो जाएँ, मगर उनकी यादें हमेशा दिल में बसी रहती हैं...।

आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर डा. संतोष गर्ग का कहना है कि वर्तमान में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी है। हालांकि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। बदलते परिवेश में साहित्य के स्वरूप को भी बदलना जरूरी है। मसलन युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए लंबी रचनाओं के बजाए लघु और उनके अर्थ को समझने वाली सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

समाज सेवा के भाव से साहित्य संवर्धन आवश्यक : संतोष गर्ग

साहित्य और समाज में अपने ऐतिहासिक रूप से योगदान दे रही महिला साहित्यकार डा. संतोष गर्ग ने अपने साहित्यिक और सामाजिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे पहुलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मानना है कि साहित्य संवर्धन समाज सेवा के भाव से हो तो उसका संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के लिए ज्यादा महत्व है। डा. संतोष गर्ग जन्म 12 नवंबर 1960 को पंजाब के बुढ़लाड़ा के एक संयुक्त परिवार में रूलदू राम सिंगला और देवकी देवी के घर में हुआ। परिवार में किसी तरह का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। बकौल संतोष गर्ग उनकी शादी 17 साल की उम्र में 23 अप्रैल 1978 को हरियाणा के कलायत गांव में हो गई थी। शादी से पहले वह सिर्फ 11वीं कक्षा पास की थी और बाकी उच्च शिक्षा शादी के बाद ग्रहण की। शादी के बाद कलायत गांव से वह अपने पति के साथ हिसार आकर रहने लगी, जहां उनके पति की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रोफेसर के रूप में नई नई नौकरी लगी थी, वहीं से वे अब प्रोफेसर एंड हैड पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। वह साल 2012 से अपने बच्चों के साथ मोहाली में रह रही हैं। हरेक क्षेत्र की तरह साहित्यिक सफर में उतार चढ़ाव सभी के सामने आते हैं। उनके सामने भी बच्चों के भविष्य को लेकर चुनौतियां थी और परिवार की जिम्मेदारियां थी। इसके बावजूद साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेती रही। हिंदी व पंजाबी के अलावा हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी हैं। अपने साहित्यिक सफर में अब तक हिंदी भाषा में निरन्तर कवि गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों का आयोजन भी कराती आ रही हैं। वह अखिल भारतीय साहित्य परिषद में हरियाणा प्रांत की उपाध्यक्ष, और राष्ट्रीय कवि संगम में 2016 से ट्राई सिटी चंडीगढ़ के अध्यक्ष पद पर लगातार सक्रिय हैं। वे एक फैशन डिजाइनर होने के साथ योगा व नेच्युरोपैथी चिकित्सक भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

संतोष गर्ग की प्रकाशित 19 पुस्तकों में चार काव्य संग्रह-दिल मुट्ठी में, सूख गए नैनन के आँसू, शब्दों को विश्राम कहाँ और बाल काव्य संग्रह 'कागज़ की नाव', एक बाल उपन्यास नानी, निक्की और कुंभ' व काव्य संकलन ' दुनिया गोल मटोल' के अलावा 'हर मन तिरंगा, पिता होते हैं पर्वत से, कोरोना काल कवियों के झरोखे, लघुकथाएं अपनी-अपनी सोच, लघुकथा संग्रह 'लघुता कुछ कहती है' सुर्खियों में हैं। वहीं 'यात्रा गुरू के गाँव की', 'मानस मोती', 'पंचामृत', 'सहस्त्रमानक', 'संवाद' और सनातन-वार्ता पुस्तकें भी लिखी हैं।

संतोष गर्ग

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से आध्यात्म पुस्तक सनातन-वार्ता के लिए श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के अलावा संतोष गर्ग को महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान, गुरु रविंद्र नाथ टैगोर सम्मान, लघुकथा स्वर्ण सम्मान, पावरफुल वूमेन आफ हरियाणा अवार्ड, वूमैन एम्पावरमैंट अवार्ड, कोरोना योद्धा सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं उन्हें दुबई में भारतीय प्रधान कौंसुलेट जनरल द्वारा भी सम्मान हासिल हुआ है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : संतोष गर्ग
जन्मतिथि : 12 नवंबर 1960
जन्म स्थान : बुढ़लाड़ा (पंजाब)
शिक्षा : बीए, योगा व नेच्युरोपैथी, फैशन डिजाइन
संप्रति : कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार, कहानीकार, मैनेजिंग डायरेक्टर(एन जी डायग्नोस्टिकस, पंचकूला)

ऐसे शुरु हुआ साहित्यिक सफर

वे बताती हैं कि हिसार में रहते हुए अमृता प्रीतम, शिव कुमार बटालवी और ओशो की पुस्तकें पढ़ा करती थी। कई बार अपने मन के भाव भी डायरी में उतार लेती। एक तरह से मेरी साहित्यिक यात्रा 1988 में आरंभ हुई, जब मेरी दो कविताएं एक समाचार पत्र में पहली बार प्रकाशित हुई। इससे आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। चूंकि पंजाब में शुद्ध पंजाबी बोली जाती है, जिसके कारण उनकी भाषा में कुछ पंजाबी के तो कुछ हिंदी के और कुछ शब्द हरियाणवी के भी आते हैं। रही बात हिंदी लिखने की, तो इसका श्रेय हिसार के साहित्यकारों को है। यह उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें सर्वोदय भवन में हिसार के राज्यकवि प्रोफेसर उदयभानु हंस, डॉ राधेश्याम शुक्ल, सतीश कौशिक, राजेंद्र प्रसाद जैन, मदन गोपाल शास्त्री, प्रदीप नील जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर मिलता रहा। इस बात का अहसान उन्हें भी नहीं हुआ कि कब हिंदी उनकी प्रिय भाषा बन गई। साहित्य जगत में उनकी सभी प्रकाशित पुस्तकें हिंदी भाषा में ही हैं और बहुत से सांझा संकलनों में भी रचनाएं प्रकाशित हैं। साल 1995 में उनकी पहली कृति के रुप में काव्य संग्रह 'दिल मुट्ठी में' प्रकाशित हुआ। फिर उन्होंने लघु कथा संग्रह और अन्य विधाओं में पुस्तकें लिखना शुरु किया। उन्होंने बताया कि उनका काव्य संग्रह सूख गए नैनन के आँसू' और डायरी के पन्ने 'मनांजलि' हरियाणा साहित्य अकादमी सौजन्य से प्रकाशित हुआ। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने गद्य व पद्य दोनों विधाओं में ही रचनाएं लिखी हैं। कविताओं के अलावा लघु कथाए, कहानी, उपन्यास और बाल साहित्य भी लिखा है। उनके लेखन का फोकस ज्यादातर प्रेम, प्यार, विरहा, अध्यात्म, सेवा, संस्कारों पर रहा है। हालांकि समाजिक सरोकार के मुद्दों पर भी कलम चलाई है, लेकिन राजनीति पर बहुत कम लिखा है।

हास्य-व्यंग्य बोध से सराबोर 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ'

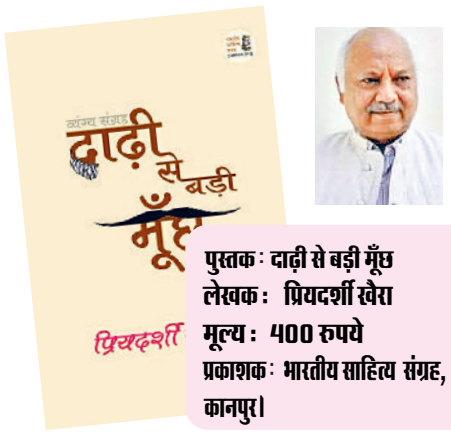

पुस्तक : दाढ़ी से बड़ी मूँछ
लेखक : प्रियदर्शी खैरा
मूल्य : 400 रुपये
प्रकाशक : भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर।

पुस्तक समीक्षा | प्रमोद ताम्बट

हाल ही में प्रियदर्शी खैरा का नया व्यंग्य संकलन 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ' भारतीय साहित्य संग्रह कानपुर से प्रकाशित हुआ है। दो दो स्वरनामधन्य व्यंग्याकारों प्रेम जनमेजय एवं पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की पृथक-पृथक भूमिकाओं से सजे इस व्यंग्य संकलन ने एक तरीके से लेखन की दुनिया में एक अलग लकीर खींच कर रख दी है, यह कहने में कोई गुरेज़ नहीं किया जाना चाहिए। जहां प्रेम जनमेजय कहते हैं कि ''उनकी रचनाओं में व्यंग्य लदकर नहीं आया है, सहज आया है'', वहीं डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी कहते हैं ''सहज होकर व्यंग्य भी लिखा जाए तो वह कितना अच्छा बन जाता है।' प्रियदर्शी खैरा का यह संकलन इन दोनों ही टिप्पणियों पर खरा उतरता है। श्री खैरा की व्यंग्य रचनाओं में वव्यंग्य भी उसी सहजता से आता है जितनी सहजता से हास्य। यह एक मणिकांचन संयोग की तरह होता है जो रचना की पठनीयता को निःसंदेह द्विगुणित कर देता है। इसे साध लेना वास्तव में बहुत कठिन होता है, यदि वह घुट्टी के साथ मिली हुई न पी रखी हो। श्री खैरा का बुंदेलखंड से लम्बा नाता रहा है इसलिए वहां का नैसर्गिक हास्य-व्यंग्य बोध उनकी रचनाओं में सहज प्रवाह की तरह चला आता है जिससे वे अपने रचनाकर्म को समृद्ध बनाते चलते हैं। पूरे संकलन की हरेक रचना में खैरा जी अपनी विशिष्ट खिलंदड़ी भाषा के माध्यम से अपने हास्य-व्यंग्य बोध का छिड़काव सा करते हुए चलते हैं। जिससे पहली ही रचना से संकलन के प्रति उत्सुकता का भाव पैदा होता है जो निश्चित ही पाठक को पूरा संकलन पढ़ा ले जाने के लिए मजबूर कर देता है। श्री खैरा लम्बे समय तक शासकीय विभाग में उच्चतम पद पर रहे हैं और उन्होंने इस दौरान व्यवस्था के छोटे से लेकर उच्च स्तर कर तक की इकाइयों को बहुत ही करीब से देखा है। किसी भी लेखक के पक्ष में यह महत्वपूर्ण बात होती है कि वह अपने जीवनानुभव को किस तरह से अपने रचना कर्म में लेकर आता है, श्री खैरा का रचनाकर्म इस मामले में काफी ईमानदार और प्रामाणिक प्रतीत होता है। व्यंग्य संकलन में कुछ 37 रचनाएं हैं। सभी रचनाएं लेखक के मृदुल हास्य एवं व्यंग्य बोध से सराबोर हैं जो मजे-मजे में गंभीर विसंगतियों का अहसास भी कराती चलती हैं। लेखक की रचनाएं व्यंग्य के मानदंडों पर भी खरी उतरती हैं, वे बहुत सहजता से व्यंजना, वक्रोक्ति, कटाक्ष, ह्यूमर, आयरनी, कामदी आदि व्यंग्य के हथियारों का उपयोग करते नज़र आते हैं। पुस्तक का कवर पेज अत्यंत साधारण है, इसे और ज्यादा कलात्मक बनाया जाता तो बेहतर होता।

खबर संक्षेप

लिव इन में रह रहा युवक लापता

पानीपत। चांदनी बाग थाना पुलिस को दी शिकायत में मूल निवासी शाहबाद, कुरूक्षेत्र हाल निवासी हुडा सेक्टर 11-12 पिछले छह माह से अपने दोस्त राहुल के साथ रह रही है। वहीं राहुल 14 मार्च की सुबह घर से सब्जी-दूध लेने गया था। इसके बाद से वह लापता है। महिला की शिकायत पर चांदनीबाग थाना पुलिस ने राहुल की गुमशुदगी का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पति लापता, गुमशुदगी का केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 13-17 थाना पुलिस को दी शिकायत में महिला मूल निवासी मुरादाबाद हाल निवासी गांव पल्हेडी का पति अमित 12 मार्च से लापता है। महिला ने बताया कि अमित भी मुरादाबाद का निवासी है और दोनों ने हाईकोर्ट में शादी की थी। पुलिस ने अमित की गुमशुदगी का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मादक पदार्थ तस्कर पकड़ा, केस दर्ज

पानीपत। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने झांबा गांव में नशा तस्कर कपिल पुत्र सतबीर निवासी गांव झांबा को 140 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सनौली में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है।

जीयू का दीक्षांत समारोह 22 को

इसराना। गीता यूनिवर्सिटी में 22 मार्च को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। जीयू के प्रथम बैच के 160 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डिग्री वितरित की जाएगी। जीयू के रजिस्ट्रार डॉ. अशोक अरोड़ा ने बताया कि जीयू के विभिन्न विभागों से परीक्षा पास करने वाले 161 विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में डिग्री वितरित की जाएंगी।

टीबी रोगियों को आहार कीट दी

पानीपत। आयुष्मान मंदिर गांव कुराड़ में टीबी मरीजों को पानीपत रिफाइनरी के सहयोग से पोषण आहार कीट बांटी। स्वास्थ्य कर्मी सतबीर सिंह ने बताया की इस प्रोटीन कीट मे 2 प्रोटीन के डिब्बे, 1 किलो चावल, 1 किलो दाल, 1 किलो चने व 1 पैकेट सोयाबीन का शामिल है। सतबीर सिंह ने बताया कि सरकार टीबी मरीजों को हर माह एक हजार रुपये बैंक खातों में दे रही है। मौके पर रीना, संतरा, सोनिया मौजूद रहीं।

वंदना महोत्सव कार्यक्रम 23 को

पानीपत। पानीपत के प्राचीन ऐतिहासिक श्री देवी मंदिर में 23 मार्च को श्री श्याम रस सेवा समिति द्वारा वंदना महोत्सव नामक कार्यक्रम होगा। देवी मंदिर में सुबह 10 बजे श्री देवी मंदिर में भूमि पूजन का कार्यक्रम किया जाएगा। भूमि पूजन होते ही संकीर्तन का पंडाल लगना प्रारंभ हो जाएगा भूमि पूजन के मुख्यातिथि समाजसेवी जगदीश जैन रहेंगे। मंदिर में 23 मार्च को होने वाले कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक कन्हैया मित्तल आएंगे। वहीं, उनके साथ कई भजन गायक भी इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे।

होली का त्योहार हर्षोलास से मनाया

पानीपत। श्री सोमनाथ धाम आश्रम निम्बरी में होली का त्योहार हर्षोलास से मनाया गया। दीपक दरबार की पार्टी से आए कलाकारों ने राधा एवं कृष्ण का स्वरूप धारण करके पूरी संगत को नाचने के लिए मजबूर कर दिया। इस अवसर पर पुरुषोत्तम शर्मा, डा. जगजीत आहूजा, यशपाल चौधरी, इंद्र चुघ, गिरीश अरोड़ा, रानी, प्रवीन खुराना, पुष्पा आदि मौजूद रहे।

छात्रों को विदाई दी

पानीपत। नूरवाला स्थित मोहित पब्लिक स्कूल में आज विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी विदाई समारोह की प्रस्तुति दिखाई। स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र पाल ने बच्चों को विदाई पर संबोधित करते हुए आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर किरण रानी, मधुबाला, अनुसुधा, पूजा, भूमिका, तनु ,जिया व तान्या आदि उपस्थित रहे।

स्वामी दिव्यानंद ने भक्तों को प्रवचनों से किया निहाल, मेयर ने लिया आशीर्वाद

श्री सनातन धर्म महावीर दल सोनीपत में दिव्य अमृत भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन

■ भगवान की मूर्तियां भी बड़ी सुंदर बनी पर अज्ञानतावश एक भक्त वास्तव में भक्त न हो पाया: स्वामी दिव्यानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें कांग्रेस नेता कमल दिवान एवं अन्य।

श्री सनातन धर्म महावीर दल सोनीपत में होली महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित दिव्य अमृत भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव में पूज्य गुरूदेव गीता ज्ञानेश्वर डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि भक्ति मार्ग में भक्त को वैष्णव गुणों से संपन्न होना चाहिए।

आज भक्ति के नाम पर मजहब-परंपराएं बहुत हैं किंतु वास्तविक अनन्य भाव किन्हीं वैष्णव संत भक्तों में ही देखने को मिलता है। भक्ति भजन के नाम पर देवालय धर्म स्थान बहुत बने। भगवान की मूर्तियां भी बड़ी सुंदर बनी पर अज्ञानतावश एक भक्त वास्तव में भक्त न हो पाया। ज्यादा कथाएं सुन कर भक्त सहज नहीं चालाक हो गया है। सब गलत करके उसने एक पंक्ति रट रखी है कि हम भूलनहार हैं, आप बख्शनहार। इन चालाक लोगों ने अपनी ही मर्जी से अपने भगवान गढ़ रखे हैं। इन अनाड़ी लोगों को यह नहीं पता कि अगर कोई गंदगी के ढेर पर बैठ बदबू से परेशान है। गलती हो गई है ऐसा कर माफी भी मांग लेवे, कोई माफ भी कर देवे किंतु गंदगी न छोड़े तो क्या दुर्गंधी भी इसे माफ कर देगी? क्या बदबू से होने वाली परेशान से भी वह क्या बच जाएगा? ऐसे भक्ति से पथभ्रष्ट तथाकथित भक्त लोग प्रभु पर भरोसा की भी बात करते हैं और भय और भ्रम का भी शिकार हुए पड़े हैं? भक्त बने तो अनन्य बनें, भक्ति का व्यापारीकरण मत करें। आज इस अवसर पर नगर के नवनिर्वाचित मेयर राजीव जैन, कांग्रेस नेता कमल दिवान और आरके ग्रोवर ने ग्रंथ पूजन कर महाराज का आशीर्वाद लिया।

सोनीपत। नेत्र जांच शिविर में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 90 मरीजों के नेत्र जांचे

सोनीपत। महात्मा आशा नन्द वधवा-हिन्दू मंच सोनीपत के तत्वावधान में संस्था प्रधान हरि चन्द स्नेही की अध्यक्षता में जिला अंधता निवारण समिति द्वारा आंखों की मुफ्त जांच, मुफ्त दवाई और मुफ्त आप्रेशन कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प का शुभारम्भ आचार्या सुनीता अरोड़ा के ब्रह्मत्व में यज्ञ-हवन व सत्संग से किया गया। जिसमें ऋषि पाल भदाना मुख्य यजमान रहे। कैम्प में जिला नागरिक हस्पताल के नेत्र विशेषज्ञों डॉ. सुशील मानकटालिया की टीम द्वारा यह समस्त परीक्षण किया गया। कैम्प में तकनीकी सहायक रोहित धनखड़ ने रक्तचाप के 70, शीला मलिक स्टॉफ नर्स द्वारा शूगर के 60 रोगियों की जांच की गई। नेत्र जांच कैम्प में ओपीडी के 90 रोगियों की जांच की गई। जिसमें मोतियाबिंद के 20 रोगियों को नेत्र विशेषज्ञ के निर्देशानुसार जिला नागरिक हस्पताल सोनीपत में 17 मार्च सोमवार को बुलाया है जिसमें मोतियाबिंद आप्रेशन की समस्त प्रक्रिया पूरी की जायेगी। आगामी कैम्प 14 अप्रैल को लक्ष्मी देवी गोसाईं धर्मशाला सिक्का कालोनी सोनीपत में आयोजित किया जायेगा। नेत्र जांच शिविर में हंस राज वधवा, हर भगवान रहेजा, राम किशन बत्रा, मदन लाल कत्याल, जय भगवान गुप्ता, देस राज अरोड़ा, ओम प्रकाश झांब, सुरेश बत्रा, अशोक भगत, रामधारी, देवी दयाल शर्मा, ऋषिपाल भदाना, सुभाष, देवी लाल ने व्यवस्था में विशेष सहयोग प्रदान किया।

डीडीए की पीएम उदय योजना के सिंगल विंडो शिविर में रविवार को उमड़ी भीड़, अंतिम कैंप 31 को

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पीएम उदय के अंतर्गत चल रही सिंगल विंडो शिविर योजना में रविवार को भी लोगों की भीड़ लगी रही। अब यह योजना अपने अंतिम चरण की और बढ़ रही है, क्योंकि ये सिंगल विंडो कैंप 31 मार्च 2025 तक हर शनिवार और रविवार को आयोजित किए जा रहे है। डीडीए इन कैंपों में अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को उनकी संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़े प्रपत्र प्रदान किए जा रहे है। डीडीए अधिकारी के अनुसार रविवार को केशव नगर, शिवपुरी भाग- दो दीनपुर नजफगढ़, महिपालपुर ब्लॉक ए एक्सटेंशन, मंडोली एक्सटेंशन हरिजन बस्ती, एफ2, ब्लॉक महावीर एन्क्लेव, प्रेस एन्क्लेव विकास नगर, शहीद भगत, सिंह नगर, माजरी करावला, घरोली एक्सटेंशन. बी-ब्लॉक, राजबीर कॉलोनी दिल्ली-92 एक्सटेंशन, अनाज मंडी बहादुरगढ़ रोड के पास नजफगढ़ और संगम विहार ब्लॉक-सी भाग-1 में सिंगल विंडो कैंप आयोजित किए गए। अधिकारी ने बताया कि इन कैंपों में अच्छी खासी संख्या में लोग पहुंचे जिनमें से दर्जनों ने अपनी संपत्ति के मालिकाना हक के लिए जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत किए। जबकि दूसरी तरफ कई लोगों को उनकी संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज सौंपे गए। यह योजना पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लाखों लोगों के सिर पर लटकी तलवार को हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते है कि प्रत्येक अनधिकृत कॉलोनी में रहने वाले लोगों को दिल्ली आवास अधिकार योजना का फायदा मिलना चाहिए। इसलिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की अगुवाई व दिशा निर्देश पर ऐसे कैंप गत वर्ष से आयोजित किए जा रहे है।

कॉलेजों में की जाए लगभग 600 शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति

हंसराज सुमन ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व शिक्षा मंत्री आशीष सूद को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के वित्त पोषित 28 कॉलेजों में प्रबंधन समिति (गवर्निंग बॉडी) बनाने के लिए फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व शिक्षा मंत्री आशीष सूद को पत्र लिखा है। पत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव/ कुलपति को नाम भेजने की मांग की है ताकि दिल्ली सरकार के 12 कॉलेजों में प्रबंध समिति बनने के बाद यहाँ पर भी शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जा सके। बता दें कि इन कॉलेजों में लगभग 600 शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की जानी है। दिल्ली सरकार अपने चार कॉलेज अदिति महाविद्यालय, भास्कराचार्य कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज व आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज ने शिक्षकों के पदों को भरने के लिए विज्ञापन जारी कर दिए हैं जबकि बाकी कॉलेजों ने अभी तक अपना रोस्टर पास नहीं कराया है, रोस्टर पास होने के बाद ही पदों को

विज्ञापित किया जाता है। डॉ. सुमन ने शिक्षा मंत्री को लिखे पत्र में यह भी मांग की दिल्ली सरकार अपने कॉलेजों में आरक्षण के हिसाब से एससी /एसटी व ओबीसी समुदाय के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए एससी के 22, एसटी के 11 व ओबीसी के 49 सदस्यों को गवर्निंग बॉडी में उन्हें स्थान दिया जाए।

दिल्ली देहात के कॉलेजों में ग्रामीण क्षेत्र के ही प्रतिनिधि भेजे जाए

पत्र में कहा है कि दिल्ली देहात के कॉलेजों में ग्रामीण क्षेत्र के ही प्रतिनिधि भेजे जाए क्योंकि देखने में आया है कि दिल्ली सरकार की ओर से जिन सदस्यों को भेजा जाता है उन्हें ग्रामीण परिवेश की कोई जानकारी नहीं होती। साथ ही शैक्षिक व गैर-शैक्षिक नियुक्तियों के समय गांवों के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता है जबकि वे कॉलेज गाँव की जमीनों में बने हुए है और सरकार ने जमीन लेते समय ग्राम पंचायतों से कहा था कि छात्रों को प्रवेश, शिक्षक व कर्मियों को नियुक्तियों के समय प्रतिनिधित्व दिया जाएगा लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को कोई सम्मान नहीं दिया जाता। डॉ. सुमन ने शिक्षा मंत्री से यह भी मांग दोहराई है कि दिल्ली सरकार अपने वित्त पोषित 28 कॉलेजों में एससी, एसटी व ओबीसी समुदाय के लोगों के नाम भेजे ताकि सामाजिक न्याय का सिद्धांत पूर्ण हो और सभी वर्गों को समान भागीदारी मिल सकें।

निगम ने जारी की साढ़े आठ करोड़ की राशि

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मान्यता प्राप्त निजी सहायता रहित विद्यालयों को आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए प्रति छात्र खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए लगभग साढ़े 8 करोड़ की राशि जारी की है। निगम ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली नगर निगम ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए निगम के अधिकारक्षेत्र में आने वाले मान्यता प्राप्त निजी सहायता रहित विद्यालयों को आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए प्रति छात्र खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए लगभग 8.5 करोड़ की राशि जारी कर दी है।

दिल्ली मेट्रो अब यात्रियों के साथ-साथ सामान भी ढोएगी

कार्गो सेवाओं के लिए ब्लू डार्ट से मिलाया हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अब वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली मेट्रो यात्रियों के अलावा सामान (कार्गो) ढोने का कार्य भी करेगी। दिल्ली मेट्रो ने अपने नेटवर्क पर अर्बन फ्रेट (कार्गो) सेवाओं की शुरुआत करने के लिए भारत में अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर ब्लू डार्ट के बीच शहरी लॉजिस्टिक्स सेवा के लिए हाथ मिलाया है। डीएमआरसी ने ब्लू डार्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया हैं। इस बारे में डीएमआरसी के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अपनी तरह की यह पहली अभिनव पहल, पूरे दक्षिण एशिया प्रशांत क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और अधिक टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधानों को बढ़ावा देगी।

इसके अलावा डीएमआरसी और ब्लू डार्ट दोनों की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है। दयाल ने बताया कि इस समझौते के तहत, ब्लू डार्ट कम भीड़ भाड़ वाले घंटों के दौरान मेट्रो ट्रेनों के माध्यम से कार्गो परिवहन सेवा देंगे। ब्लू डार्ट समय-पर डिलीवरी व अधिक विश्वसनीय मूवमेंट सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो की उपलब्ध क्षमता का भरपूर उपयोग करेगा। इस अभिनव समाधान से सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी।

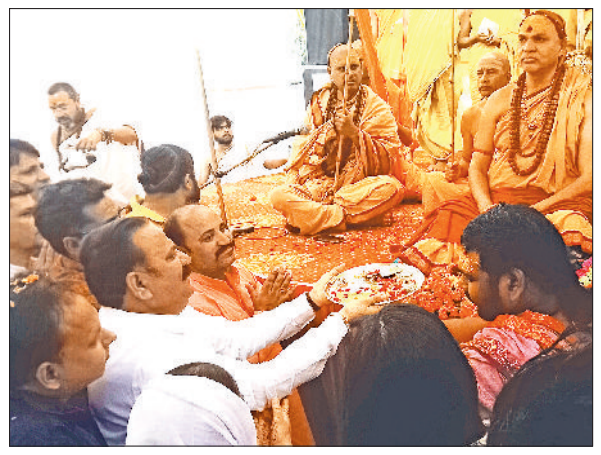

पानीपत। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की आरती करते हुए कपिल मखीजा।

गोहत्या के पाप से कभी नहीं मिलती मुक्ति

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का चरणपादुका पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत के हुडा सेक्टर 13-17 स्थित अपने निवास स्थान पर कपिल मखीजा ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज की चरणपादुका का पूजन कर आशीर्वाद लिया। कपिल मखीजा के परिजन व सबंधियों ने भी महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंच संचालन सूर सम्राट लेखराज जताना ने किया तथा महाराजश्री के आने तक संगत को अपने सूरों के माध्यम से बांधे रखा। वहीं मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि सच्चा सनातनी वही है जो गाय को कटते हुए नहीं देख सकता। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है तथा गाय काटने को महापाप बताया गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो गौहत्या बंद कराने के लिए कई संत आंदोलन कर चुके हैं पर वह इस निर्णायक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। कुंभ के दौरान उन्होंने सरकार को 33 दिन का समय दिया था जो 17 मार्च को पूरा हो रहा है। इसलिए वे दिल्ली में सडकों पर घूमकर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों में पहुंचेंगे तथा पार्टियों से खुलकर सवाल किया जाएगा की वह गौहत्या के पक्ष में हैं या विरोध में। इसके बाद ही हिंदू कोई निर्णय लेंगे। इस अवसर पर कपिल मखीजा, सुरेंद्र ढीगड़ा, निशु जैन, जतिन रावल, संजीव मलिक, सतीश शर्मा, पार्षद अंजलि शर्मा, दीपांशु चौधरी, मानव गोयल, आचांल जैन, गौत्म मखीजा, मोहन मखीजा और देवेंद्र कथूरिया आदि मौजूद रहे।

भव्य तरीके से मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

■ हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा दिवस 12 अप्रैल को मनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। हनुमान जन्मोत्सव की उद्घोषणा करते हुए गीता मनीषी ज्ञानानंद आदि।

हनुमान जन्मोत्सव पर पानीपत के राजा की सवारी धर्म कुंभ के रूप में निकाली जाएगी।

यह घोषणा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने की पानीपत के धर्म को हनुमान जन्मोत्सव की घोषणा गीता ज्ञान स्थली कुरुक्षेत्र की धरती से की। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा दिवस 12 अप्रैल को मनाया जाएगा इस दिन हनुमान जी की सवारी पानीपत नगर भ्रमण यात्रा पर आशीर्वाद देने के लिए निकलेगी इस वर्ष शोभा यात्रा शिव मंदिर साइ बाबा चौक से निकालकर भीमगोडा मंदिर सिटी चौक अमर भवन चौक के रास्ते पुरबिया घाटी प्रकटेश्वर शंभू हनुमान मंदिर पर पहुंचेगी जहां पानीपत की सभी धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक संस्थाएं मिलजुलकर एक धर्म कुंभ का आयोजन कर रहे हैं स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि यह आयोजन किसी एक संस्था का न होकर पानीपत की समस्त धार्मिक संस्थाओं के का सांझा कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में पानीपत के आसपास के एवं पानीपत से जुड़े सभी संत समाज के प्रमुख संत आशीर्वाद देने के लिए मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर रमेश माट सतबीर गोयल सूरज दूरेजा कृष्णा रेवाड़ी विकास गोयल प्रीतम गुर्जर पं निरंजन पाराशर संजय बंसल आदि मौजूद थे।

छाजपुर खुर्द में नाले के निर्माण का विरोध

पानीपत। पानीपत के गांव छाजपुर खुर्द में बनाए जा रहे नाले में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। आज ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि मानक के अनुसार निर्माण सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि मुख्य अभियंता, एक्सईएन, व जेई तक देखने नहीं आते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार इस निर्माण कार्य में घटियां ईंटों व हल्की सीमेंट का उपयोग कर रहा है। जिससे उसकी मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि नाले के लिए खोदी गई मिट्टी को ठेकेदार बेच रहा है। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व सरपंच जगदीश, राजा, सुमीत, तासिन, कल्लू, मोहन, अनिल, प्रवेश, छोटू, तेजपाल, कर्मा व यशपाल आदि शामिल हैं।

सरकारी स्कूल में बढ़-चढ़ कर दाखिले करवाने को अपील की

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

■ छात्रों की संख्या 300 होने पर राजकीय स्कूल को मिलेगा पीएमश्री का दर्जा

पानीपत के सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों से दाखिला करवाने की मुहिम चलाई है। इसी को लेकर प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के पैतृक गांव कवि में शिक्षा विभाग का रथ पहुंचा। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा द्वारा ग्रामीणों को गांव के सरकारी स्कूल में बढ़ चढ़ कर दाखिले करवाने को अपील की। जिला शिक्षा अधिकारी ने ग्रामीणों को बताया कि अगर शिक्षा मंत्री के गांव से स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या 300 से ज्यादा होगी तो गांव के स्कूल को पीएमश्री बनाया जाएगा। जिसके बाद गांव के बच्चों की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से करवाई जाएगी। ग्रामीणों द्वारा इस मुहिम में गांव के सरकारी स्कूल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में दाखिले करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मनीष गुप्ता, बीआरसी रणधीर, स्कूल प्रिंसिपल सुरेश देसवाल, रणदीप मान, ग्रामीण प्रेम शर्मा, सत्यनारायण, सरपंच, पंच सहित भारतीय संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मैराथन का भव्य आयोजन, सैकड़ों धावकों ने मैराथन में दिखाया दम

इंसान को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

पानीपत। सैनी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित मैराथन में विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए अथितिगण। फोटो : हरिभूमि

पानीपत के गांव देहरा में रविवार को खेल स्टेडियम में सैनी सेवा ट्रस्ट द्वारा दूसरी मैराथन महिला व पुरुष का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भर से आए हुए हजारों धावकों ने बढ़-चढ़ कर अपना दम दिखाया। इस दूसरी भव्य मैराथन (पुरुष) दौड़ प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भारतीय कुश्ती जगत के दिग्गज दिनेश कपूर ने खेलों के महत्व पर बारीकी से प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं,साथ ही सामाजिकता और टीम वर्क को भी बढ़ावा देते हैं। कपूर ने कहा कि सैनी सेवा ट्रस्ट इस तरह के कार्यक्रम करके समाज को एक नई दिशा देने का काम कर रहा है। इसी बीच ठेकेदार राकेश कुमासपुर ने खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इनके बल पर ही हम जीवन की बुलंदियों पर पहुंच सकते हैं।

नशा नाश की जड़ हैं जिसे हर हाल में खत्म किया जाना चाहिए

राकसेड़ा के सरपंच रामधन सैनी ने कहा कि अगर युवाओं को जीवन में आगे बढ़ना है तो आज के मौजूदा प्रतियोगिता के इस युग में युवाओं को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करनी होगी और नशे से दूर रहना होगा। इधर, कमल कुटिया समालखा के प्रमुख संत सुंदर दास ने कहा कि नशा नाश की जड़ हैं जिसे हर हाल में खत्म किया जाना चाहिए। इस मौके पर सुनील छिक्कारा, जितिन, मोहित, आशीष मलिक, निशांत, आकाश धनखड़, अनिल सैनी, सतीश, मोहन लाल सैनी, संकेत, रामफल, राजकुमार, प्रेम, पंकज, संजय, अनिल कुमार सैनी, बलवान सिंह, सतीश कुमार, सुरेश, पप्पू, मदन सिंह रोहतक, विक्की, बलजीत, मोहित, सोनी, जतिन, कुलदीप, जयपाल, अनीता, सरोज बाला आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सोनीपत। रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहीदों की याद में लगाया शिविर, 62 ने किया रक्तदान

सोनीपत। सर्व धर्म सेवा संघ और रेडक्रॉस सोसाइटी जिला सोनीपत के संयुक्त सहयोग से गांव पुरखास में शहीदों की याद में विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 62 रक्तदाताओं ने अपना रक्तदान किया। तमन्ना ने पहली बार रक्तदान किया। ऋषि राठी ने 88 वी बार रक्तदान किया। काउंसलर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। इस अवसर पर सुमित राठी, अमित राठी, दिलबाग गुलिया, पंजाब पुलिस एसएचओ गजेंद्र गुलिया, पंजाब पुलिस महेंद्र गुलिया, रमेश कुमार, हरिओम आदि ने विशेष सहयोग दिया। सरपंच बहादुर पहलवान, डॉ. भानु शर्मा व जिला संयोजक शशि मेहता ने सभी रक्तदाओं का धन्यवाद किया।

खरखौदा। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते चेयरमैन ब्रिगेडियर सत्यदेव दहिया।

गुरुकुल मटिंडू में धूमधाम से मनाई गई एलुमनाई मीट

खरखौदा। गुरुकुल मटिंडू में पूर्व छात्र और पूर्व अध्यापकों के लिए एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बलजीत दहिया लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एलुमनाई छात्र और अध्यापकों के साथ हवन द्वारा की गई। मुख्य अतिथि बलजीत सिंह , ब्रिगेडियर सत्यदेव दहिया, बीएड प्राचार्या डॉ सुमन बेनीवाल ने दीप प्रज्वलित किया। गुरुकुल गीत की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

चीनी मिल पेराई सत्र : अब तक 21 लाख 85 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई

चीनी मिल प्रबंधन ने गन्ना उत्पादकों को 40 प्रतिशत ओवरवेट की छूट दी

- गन्ना उत्पादक अपनी पर्ची के वेट के हिसाब से ज्यादा गन्ना पर्ची पर डाल सकता है
- प्रबंधन ने 1800 गन्ना उत्पादकों के साथ 32 लाख क्विंटल गन्ने का करार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उत्तर भारत में गर्मी के मौसम का दौर शुरू हो चुका है। गर्मी का असर चीनी मिल के पेराई सत्र पर पड़ने लगता है। मिल प्रबंधन की तरफ से जल्द से जल्द पेराई सत्र को सुरक्षित चलाने व समय पर समाप्त करने की कवायद शुरू कर दी है। प्रबंधन की तरफ से गन्ना उत्पादकों के लिए 40 प्रतिशत ओवरवेट की छूट दी जा रही है। गन्ना उत्पादक अपनी पर्ची के वेट के हिसाब से ज्यादा गन्ना पर्ची पर डाल सकता है। ऐसे में मिल का पेराई सत्र समय पर पूरा व किसानों के खेत जल्द खाली होने की संभावना है। वहीं दूसरी तरफ यार्ड में गन्ने की मात्रा भी बढ़ेगी।

बता दें कि शहर के कामी सड़क मार्ग स्थित दी सहकारिता चीनी मिल में वर्ष 2024-25 पेराई सत्र की नवंबर माह में हुई थी। गोहाना से विधायक व प्रदेश सरकार में मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने पेराई सत्र की शुरुआत की थी। मिल प्रबंधन की तरफ से जिले के करीब 1800 गन्ना उत्पादकों के साथ 32 लाख क्विंटल गन्ने का करार किया हुआ है। प्रबंधन की तरफ से पेराई सत्र को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास किया जा रहा है। मौजूदा समय में चीनी मिल का पेराई सत्र अंतिम चरण में पहुंच चुका है। बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए मिल प्रशासन अप्रैल माह के पहले या दूसरे सप्ताह तक पेराई का काम पूरा करना चाहता है। ऐसे में मिल प्रशासन ने गन्ने की आवक को बढ़ाने के लिए किसानों को ओवरवेट की छूट दी है।

तीन लाख क्विंटल गन्ने को आहुलाना भेजा

सोनीपत चीनी मिल की पेराई क्षमता 22 हजार क्विंटल प्रतिदिन है। ओवरवेट में छूट के बाद मिल में अपेक्षाकृत अधिक गन्ना पहुंच रहा है। ऐसे में मिल प्रशासन ने भी पेराई की रफ्तार को बढ़ा दिया है। पिछले 24 घंटे में सोनीपत चीनी मिल में 21 हजार 183 क्विंटल गन्ने की पेराई की गई है। जबकि अब तक 21 लाख 85 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई मौजूद पेराई सत्र में हो चुकी है। सोनीपत चीनी मिल प्रबंधन द्वारा किसानों का करीब 3 लाख क्विंटल गन्ना आहुलाना चीनी मिल के लिए भी ट्रांसफर किया हुआ है।

अप्रैल के पहले या दूसरे सप्ताह तक का लक्ष्य

चीनी मिल का पेराई सत्र अंतिम रूप में पहुंच चुका है। प्रबंधन की तरफ से गन्ना उत्पादकों को पर्ची के साथ 40 प्रतिशत ओवरवेट की छूट दी गई है। प्रबंधन की तरफ से अप्रैल माह के पहले या दूसरे सप्ताह तक पेराई सत्र का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि चीनी की रिकवरी बेहतर बनी रह सके।

-अमित कुमार, एमडी चीनी मिल सोनीपत।

लड़कों में भिवानी, लड़कियों में पलवल की टीम ने जीती ट्राफी

- कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व विधायक देवेन्द्र कादियान ने विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व विधायक देवेन्द्र कादियान खिलाड़ियों का परिचय करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गांव चिरस्मी के राजकीय स्कूल में दो दिवसीय हरियाणा राज्य स्तरीय सीनियर नैशनल स्टाईल कबड्डी प्रतियोगिता पुरूष एवं महिला सम्पन हुई। प्रतियोगिता के फाईनल में लड़कों की भिवानी की टीम ने सोनीपत को 10-7 के अंतर से पराजित किया, जब कि लड़कियों की टीम के फाईनल में पल्लव की टीम ने चरखी दादरी की टीम को 45-38 के अंतर से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए ट्राफी पर कब्जा किया। सेमीफाईल में लड़कियों की टीम में दादरी की टीम ने हिसार की टीम को 36-25 के अंतर से व पल्लवन ने भिवानी की टीम को 34-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लड़कों की टीम के सेमीफाईनल में सोनीपत की टीम ने रोहतक को 36-24 के अंतर से व भिवानी ने कैथल को अंतर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। विजेता टीमों को मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री एवं एम्योचर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व मंत्री पंवार का पहुंचने पर एम्योचर कबड्डी एसोसिएशन के चेयरमैन कुलदीप दलाल, सचिव नसीब, जिलाध्यक्ष बलबीर पहल आदि ने स्वागत किया। मंच का संचालन प्राध्यापक जगबीर ने किया। प्रतियोगिता के

सरकार और नर्सरीयां खोलेगी : पंवार

विजेता टीमों को मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री एवं एम्योचर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि स्वर्गीय जनाधिन गहलोत की बदोलत पूरे हिन्दूस्तान में कबड्डी जीवित है। समय-समय पर जूनियर, सीनियर,सर्कल कबड्डी का आयोजन करवाते रहते है। प्रदेश के बेटो व बेटियों को आशीर्वाद देता हुं, एशियार्ड में लड़के व लड़कियों के स्वर्ण पदक आए थे। जिसमें 50 प्रतिशत लड़के व लड़कियां हरियाणा प्रदेश के थे। पिछले सप्ताह में ईरान में हुए एशियन खेलो में हिन्दूस्तान की लड़कियां गोल्ड लेकर आई। जिसमें हमारे हरियाणा प्रदेश की तीन बेटियां था। एशियार्ड व एशियन खेलो में सबकी निगाह हरियाणा के खिलाडियों पर होती है।

युवा पढ़ाई के साथ खेलों में भी सफलता हासिल कर रहे : देवेंद्र कादियान

- ऑल इंडिया ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में उमेदगढ़ के विकास ने जीता सिल्वर मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने विजेता खिलाड़ी का सम्मान करते हुए।

बरेली के महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय में 17 से 22 फरवरी तक हुई ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग प्रतियोगिता में उमेदगढ़ के पहलवान विकास ने सिल्वर मेडल जीता। इस उपलब्धि पर गांव के राजकीय स्कूल ग्राउंड में सम्मान समारोह हुआ। मुख्य अतिथि गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने विकास को सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

समारोह में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक देवेंद्र कादियान का फूलमाला और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कादियान ने कहा कि गन्नौर के युवा पढ़ाई के साथ खेलों में भी सफलता हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ी देश और समाज की शान होते हैं।

विधायक ने बताया कि देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी कई वर्षों से मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। उन्हें उम्मीद है कि विकास कड़ा अभ्यास कर भविष्य में देश के लिए खेलेगा। उन्होंने युवाओं को खेल भावना के साथ खेलने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के भाई माईराम कौशिक, खरखौदा विधायक पवन, सोनीपत विधायक निखिल मदान ने भी विकास का स्वागत किया। कार्यक्रम में टिंकू, डॉ. करतार, सोनू त्यागी सहित कई लोग मौजूद रहे।

विधायक ने राई-नांगल कलां-बढ़मलिक गांवों को दी विकास की नई सौगात

- नव निर्वाचित मेयर राजीव जैन के साथ राई में विकास के विभिन्न कामों को किया लोकार्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

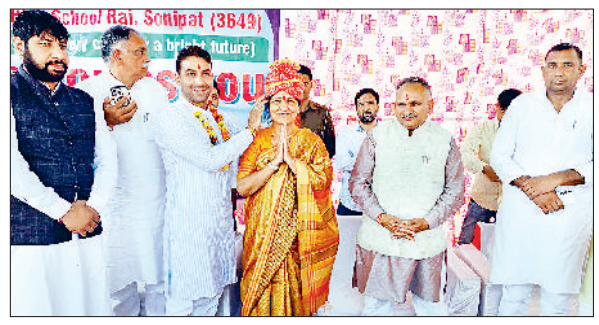

राई। विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत को पगड़ी पहनाकर स्वागत करते युवा नेता पुनीत राई साथ में निगम मेयर राजीव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने राई-नांगल कलां और बढ़ मलिक गांवों को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने नव निर्वाचित मेयर राजीव जैन के साथ राई में विभिन्न विकास कार्यों को लोकार्पित किया। गांव में पहुंचने पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई ने विधायक गहलावत व मेयर जैन का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। विधायक ने नांगल कलां में भी विकास कार्यों का उद्घाटन किया और बढ़ मलिक में चौदह लाख रुपये की लागत से बनाई जाने वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। राई गांव में आयोजित लोकार्पण समारोह में नव निर्वाचित मेयर राजीव जैन भी साथ रहे। राई गांव में बारह लाख रुपये की लागत से बनाई गई फिरनी, बाइस लाख रुपये की लागत से सीवरेज सिस्टम की स्थोपना तथा सत्रह लाख रुपये की लागत स्थापित ओपन जिम व शैड और तेरह लाख रुपये की लागत से गांव के विद्यालय में निर्मित करवाये गये सभागार को लोकार्पित किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि राई विधानसभा को विकास के मामले में हरियाणा की नंबर-एक विधानसभा बनायेंगे, जिसका खाका तैयार है। मूल सुविधाओं को सुदृढ़ करते हुए विकास को गति प्रदान की गई है। राई एक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस विधानसभा बनाई जा रही है। विधायक कृष्णा गहलावत ने नांगल कला गांव में करीब पचास लाख रुपये की लागत से सामान्य चौपाल और पच्चीस लाख रुपये की लागत से पार्क की चारदिवारी के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया, पार्षद पुनीत राई, जेपी रेवली, जयपाल आंतिल, शेखर आंतिल, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल, मनीष राई, जयराम भैंराबांकीपुर, सरपंच अनिल, पूर्व सरपंच बिट्टू, बीडीपीओ सुरेंद्र आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम में लोक गायक बाजे भगत को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

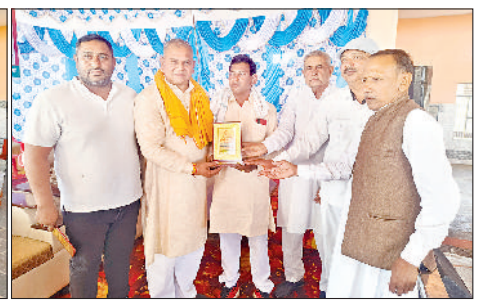

खरखौदा। रागिनी प्रस्तुत करते लोक गायक सत्ते फरमाना तथा लोक गायकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते आयोजक।

लोगों की आस्था के केंद्र शोभनाथ मंदिर में लोक कवि बाजे भगत की याद में संस्कृति कला केंद्र मौजम नगर द्वारा दसवां सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी राजपाल निठारी व राजेंद्र पहलवान पालम दिल्ली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अठगामा प्रधान सतबीर नंबरदार ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रदेश की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहना चाहिए। लोक संस्कृति और लोक विधाओं को जिंदा रखने के लिए नए लोक गायकों को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित करने की नितांत आवश्यकता है। इसी सोच के साथ खरखौदा उपमंडल के मौजमनगर में लोक कवि बाजे भगत लोक संस्कृति कला केंद्र की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में लोक गायक गुलाब सिंह खंडवाल, रणबीर बड़वासनी, सत्ते फरमाना, अमित रोहणा, नरेंद्र खरक राम, संजय कलोई, आनंद , सूरजमल शर्मा, जितेंद्र, भीमा, कर्मवीर आदि ने रागनी प्रस्तुत करके श्रोता दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों ने सभी लोक गायकों व अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधान आशीष, राजवीर, सेवक राजे, वेदपाल ,नवीन, जोगिंद्र, बाबा जगबीर दास , मास्टर मनवीर, कुशाल व अन्य ग्राम वासी मौजूद रहे।

सोनीपत। ट्रायल के दौरान हिस्सा लेती खिलाड़ी।

लड़कियों की फुटबाल टीम के लिये हुए ट्रायल

सोनीपत। जिला फुटबाल संघ के तत्वावधान में रविवार को लड़कियों की सीनियर टीम का ट्रायल आयोजित किया गया। जिसमें 27 लड़कियों ने प्रतिभागिता की। एसएम हिंदू फुटबाल एकेडमी जैन बाग कॉलोनी में आयोजित किए गए इस ट्रायल का उद्देश्य जिले की टीम का चुनाव करना था। चयनित टीम 21 से 24 मार्च तक झज्जर में होने वाली हरियाणा राज्य सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। संघ के जिलाध्यक्ष कुलदीप सोलंकी ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों की सूची सोमवार को जारी की जाएगी। इस मौके पर संघ के महासचिव नरेश मलिक, सह सचिव सुरेंद्र सिंह, विशेष दहिया, नवीन मलिक, सुरेश कुमार, अनिल कुमार, कोच निशी, पंकज, कोच रीना आदि मौजूद रहे।

मनोज जांगड़ा बने संघ के अध्यक्ष

सोनीपत। नवनियुक्त कार्यकारिणी को सम्मानित करते हुए।

- विश्वकर्मा धर्मशाला में पिछड़ा वर्ग के प्रबुद्ध लोगों ने की बैठक

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला में रविवार को पिछड़ा वर्ग के जिला सोनीपत के प्रबुद्ध लोगों की बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान उमेद सिंह जोगी छहतैरा ने की। बैठक में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। इस दौरान पिछड़ा वर्ग संघ का गठन किया गया। पिछड़े वर्ग संघ के संरक्षक अनिल ठाकुर व नरेश वर्मा हैं। पिछड़े वर्ग संघ की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। सर्वसम्मति से मनोज जांगड़ा अध्यक्ष, सत्यवान चौहान योगी उपाध्यक्ष, कुशल वर्मा को सचिव, दिलबाग सिंह पांचाल महासचिव, रमेश कुमार रोहिल्ला कोषाध्यक्ष, पवन स्वामी सह सचिव, राहुल सेन को प्रेस सचिव चुना गया। इस अवसर चरण सिंह जोगी, ओमप्रकाश पांचाल, संजय रोहिल्ला, अतर सिंह प्रजापत, बिल्लू पांचाल, महेंद्र प्रजापत, डॉ महेंद्र वर्मा, नरेश कश्यप, योगराज स्वामी, पूर्ण खाती, अभिमन्यु पटेल, राजेंद्र ठाकुर व समाज के व्यक्ति आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

आरसी उपाध्याय एंड पार्टी ने रागनियों से किया मनोरंजन

गोशाला का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

- कलाकार आरती जागड़ा की टीम ने हरियाणावी रागनियों से गायों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया
- गोभक्तों ने कार्यक्रम के दौरान गायों के लिए लाखों रुपये का चंदा दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। गोशाला सेवा समिति के पदाधिकारी, अतिथियों का फूलमलाओं से स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजपुर गांव स्थित राजपुर गोशाला समिति का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में गौ सेवा आयोग के सदस्य राकेश मलिक, बिजेन्द्र सरोहा पांची जाटान, स्वामी अमृतान्नद प्रचारक एवं सेवा भारती हरियाणा के प्रांत उपाध्यक्ष, सुधीर होटल्स के निदेशक सुधीर खापरा के अलावा गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में जयप्रकाश यादव के नेतृत्व में हरियाणवी कलाकार आर सी उपाध्याय, आरती जागड़ा की टीम ने हरियाणावी रागनियों से लोगों का मनोरंजन करवाया और गायों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का गौशाला सेवा समिति के संस्थापक राजेश राठी आईटीबीपी इंस्पैक्टर,, जोगेन्द्र राठी, प्रधान इन्द्रजीत, महासचिव नरेश, प्रधानाचार्य सतपाल राठी, सूरजमल राठी, कर्मबीर, ओमपाल, सुरेन्द्र मोर लड़सौली आदि ने पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। गौ सेवा आयोग के सदस्य राकेश मलिक ने कहा कि गऊशाला को आप जैसे दानियों के सहयोग की जरूरत है। समिति सदस्यों ने बड़ी मेहनत से गऊशाला में गायों की सेवा के लिए बेहतर कार्य किया है। इसके अलावा आयोग से गायों के लिए सहयोग किया जाता है।

गऊशाला के दानियों का समिति ने जताया आभार

गऊशाला के वार्षिकोत्सव में गायों के लिए दान देने वाले राजपुर गांव के इन्द्रजीत ने 3 लाख, राजपुर के प्रदीप राठी ने 2 लाख 53 हजार, सतापाल राठी प्रिंसिपल 1 लाख 21 हजार, दिल्ली से व्यापारी राजेश कत्याल ने 2 लाख 51 हजार, अमित राठी ने अपनी पत्नी स्वर्गीय पिंकी को श्रद्धांजलि देते हुए 1 लाख रूपये, सुधीर खापरा ने गऊशाला का मासिक सदस्य खर्च के अलावा 11 हजार, विरेन्द्र दहिया ने 51 हजार रूपयें दान दिया। सभी का समिति सदस्यों ने आभार व्यक्त किया।

भारत तपस्वियों और वीरों की भूमि : सरोहा

समाजसेवी बिजेन्द्र सरोहा ने कहा कि भारत देश ऋषि मुनियों, तपस्वियों और वीरों की भूमि है। प्राचीन काल से ही हिदू धर्म के लोग गोमाता की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझते हैं। वर्तमान में भी लोगों को गोमाता की सेवा करनी चाहिए। गौशाला में लगाए विशाल भंडारें में काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद गहण किया।

गोहाना के युवा सितार वादक देव शर्मा सम्मानित हुए

गोहाना। सितार वादक देव शर्मा को सम्मानित करते हुए नागरिक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सेक्टर 7 गोहाना स्थित भगवान परशुराम आश्रम में रविवार को सितार वादक देव शर्मा को सम्मानित किया गया। वे वर्तमान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से म्यूजिक सितार में एमए कर रहे हैं। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि गोहाना के प्रतिभाशाली सितार वादक देव शर्मा ने अपनी कला से राष्ट्रीय सत्र पर अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में वे भारत सरकार द्वारा संचालित वेव्स आफ इंडिया के तहत मुंबई में आयोजित सिंफानी आफ इंडिया रियलिटी शो में पूरे देश के चुने हुए 125 कलाकारों में से एक बने। यह प्रतिष्ठित शो डीडी नेशनल चैनल टीवी पर प्रकाशित हुआ जिससे उनकी प्रतिभा को पूरे देश में सराहना मिली। देव शर्मा के अनुसार उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके पिता पंडित विजेंद्र आर्य और माता शीला देवी का आशीर्वाद है। पिता ऑटो रिक्शा चला कर और वैदिक रिति द्वारा हवन यज्ञ करके परिवार का गुजरा करते हैं। दसम्मान समारोह की अध्यक्षता आश्रम के संचालक सुभाष शर्मा ने की। समारोह में देव शर्मा के पिता पंडित विजेंद्र आर्य, सुमित शर्मा, टिंकू शर्मा, दमन कुमार, विष्णु महाराज, मुख्तार सिंह दांगी, कृष्ण पांचाल ,भाना पांचाल, राहुल शर्मा, दीपक मौजूद रहे।